मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 326
शुक्रवार, 20 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ट्रंप-मुनीर मुलाकात के बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

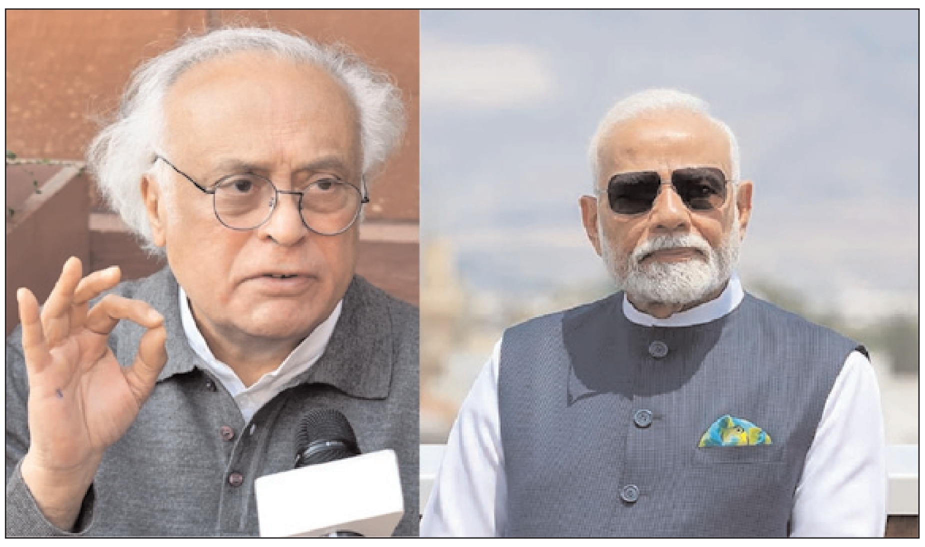

नई दिल्ली, 19 जून। कांग्रेस ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोपहर के भोजन पर आमंत्रित करने के बाद सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक ₹बड़ा झटका₹ है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख नहीं हैं, बल्कि वे सेना प्रमुख हैं, फिर भी ट्रंप उन्हें दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित करते हैं और उनकी खूब प्रशंसा होती है। रमेश ने एक्स पर कहा कि यह वही व्यक्ति है जिसकी नृशंस और भड़काऊ टिप्पणी पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि बनी, जिसे उस सत्ता प्रतिष्ठान ने अंजाम दिया जिसकी वह अध्यक्षता करता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह भारतीय कूटनीति (और गले मिलने की भावना) के लिए एक बड़ा झटका है। कांग्रेस मोदी पर कटाक्ष करती रही है, अंतरराष्ट्रीय या द्विपक्षीय बैठकों के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से गले मिलने को गले मिलना कहती रही है। इस बीच, ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो बहुत ही चतुर नेताओं ने एक ऐसे युद्ध को जारी न रखने का फैसला किया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था, जो कि हफ़्तों में पहली बार हुआ है। उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच शत्रुता को रोकने का श्रेय नहीं लिया। बुधवार को व्हाइट हाउस में मुनीर को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित करने के बाद ओवल ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने यह टिप्पणी की।

ट्रंप ने यह भी कहा कि मुनीर से मिलकर उन्हें सम्मानित महसूस हुआ। जब उनसे पूछा गया कि क्या मुनीर के साथ उनकी बैठक में ईरान पर चर्चा हुई, तो ट्रंप ने कहाः ₹ठीक है, वे ईरान को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, बाकी लोगों से बेहतर, और वे किसी भी चीज से खुश नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि वे इजराइल के लिए बुरे हैं। वे दोनों को जानते हैं, वास्तव में, लेकिन वे शायद, शायद वे ईरान को बेहतर जानते हों, लेकिन वे देखते हैं कि क्या हो रहा है, और वे मुझसे सहमत थे।

शिक्षा का उद्देश्य बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना हो: राज्यपाल बागडे

जयपुर, 19 जून। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिक्षा का उद्देश्य महज डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में सिर्फ किताबी पाठ्यक्रम के आधार पर नहीं बल्कि व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर शिक्षा दी जाए ताकि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो सके। बागडे बृहस्पतिवार को कोटा में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान का सही परिचय वहां प्रदान की जा रही शिक्षा से होता है। प्राचीन समय में गुरुकुलों में दी जाने वाली शिक्षा का उल्लेख करते हुए बागडे ने कहा कि गुरुकुलों में विविध भाषाओं एवं विषयों की अभ्यास आधारित शिक्षा दी जाती थी और उस जमाने में डिग्री वाले इंजीनियर नहीं होते थे लेकिन वे तकनीकी दृष्टि से इतने दक्ष थे कि मजबूत इमारतें बनाते थे तथा वहां विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति को बढ़ाते हुए ज्ञान दिया जाता था। बागडे ने कहा, विकसित प्रौद्योगिकी से जीवन की जटिलताओं के समाधान में मदद मिलती है। तकनीकी शिक्षा व्यक्ति के जीवन को समृद्ध बनाते हुए उसे समाज में उच्चतम स्तर प्रदान करने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने तकनीकी विश्वविद्यालयों से कहा कि वे गुणवत्तापूर्ण प्रौद्योगिकी का विकास कर विश्व में भारत को अलग पहचान दिलाएं। राज्यपाल ने बाद में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के दीक्षांत समारोह में भी भाग लिया। इसमें अपने संबोधन में उन्होंने पारंपरिक भारतीय ज्ञान के आलोक में कृषि शिक्षा के आधुनिक विकास का आह्वान किया है। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाने और वर्षा जल संरक्षण के लिए काम करने जाने पर जोर दिया।

जर्मनी में एमबीए कर रहा 23 वर्षीय युवक लापता, परिवार ने मदद के लिए मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

बिलासपुर, 19 जून। जर्मनी की एक झील में लापता हुए 23 वर्षीय युवक के परिवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और मंत्री राजेश धमार्णी से गुहार लगायी कि वह हरसंभव मदद के लिए जर्मन सरकार से संपर्क करने की विदेश मंत्रालय से अपील करें।

बिलासपुर जिले के कंदरौर कस्वा क्षेत्र के रहने वाले आर्यन 2024 से जर्मनी के म्यूनिख में एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। आर्यन के पिता विचित्र सिंह चंदेल ने बताया कि उन्हें रविवार रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि उनका बेटा लापता हो गया है।

उन्हें बताया गया कि उस दिन दोपहर करीब 1:30 बजे आर्यन झील में तैरने गया था, जहां उसके डूब जाने की आशंका है। जर्मनी में रहने वाले उनके परिचितों के अनुसार आर्यन एक कुशल तैराक था, लेकिन उसके डूबने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि अभी तक न तो उसका शव मिला है और न ही उसके बारे में कोई सुराग मिला है। माता-पिता ने बताया कि जब से यह खबर आई है, वे बहुत दुखी हैं, क्योंकि आर्यन उनका इकलौता बेटा है।

चंदेल ने बताया कि चार दिन पहले फादर्स डे के दिन जब आर्यन अपने दोस्तों के साथ झील के किनारे घूमने गया था तब उसने उन्हें फोन किया था। उसने अपने चाचा को भी फोन करके उस दिन की शुभकामनाएं दी थीं। संपर्क करने पर एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि लापता छात्र को ढूंढने के प्रयास जारी हैं और इस संबंध में विदेश मंत्रालय की मदद ली जा रही है।

श्रावण मास की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर; मंदिर क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित

वाराणसी। आगामी श्रावण मास में श्री काशी विश्वनाथ धाम में भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए गुरुवार को मंडलायुक्त एस. राजलिंगम व पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। बैठक में सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि दर्शन, सुरक्षा, स्वच्छता और चिकित्सा व्यवस्थाओं में कोई कमी न रह जाए। श्रावण माह के हर सोमवार को मंदिर में आने वाले लाखों भक्तों के सुगम दर्शन हेतु मंदिर कॉरिडोर में बैरिकेटिंग, छाया, शीतल जल व साउंड सिस्टम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मंडलायुक्त ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए जिग जैग लाइनिंग प्रणाली लागू होगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर, गलियों और प्रमुख मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को पूर्ण रूप से क्रियाशील रखने और जरूरत पड़ने पर नए कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सेंट्रलाइज्ड साउंड सिस्टम और पब्लिक एड्रेस सिस्टम को छह प्रमुख स्थानों पर लगाया जाएगा।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गोदौलिया से मैदागिन तक का क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। वहीं, स्पर्श दर्शन की अनुमति नहीं होगी। दर्शनार्थियों के प्रवेश के लिए अलग-अलग द्वार चिन्हित किए गए हैं– नंदूफारिया, अन्नपूर्णा, सरस्वती, भैरव द्वार से प्रवेश, और काशी द्वार से स्थानीय लोगों को प्रवेश मिलेगा। नगर निगम को पूरे धाम परिसर में सफाई व्यवस्था को शिफ्टवार दुरुस्त रखने और अस्थायी लॉकर, मोबाइल टॉयलेट व चेंजिंग रूम की व्यवस्था करने के निर्देश मिले हैं। सीएमओ को चिकित्सा टीमों की शिफ्टवार तैनाती और छोटी एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गलियों में स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी कैमरे, घाटों पर चेंजिंग रूम, खोया-पाया केंद्र की व्यवस्था बैठक से पूर्व मंडलायुक्त ने श्री काशी विश्वनाथ धाम का निरीक्षण कर वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बिजली कर्मियों का प्रबंध निदेशक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू

सुरेश गांधी

वाराणसी। वाराणसी में बिजली कर्मियों ने आखिरकार दो महीने से अनसुनी पड़ी मांगों के विरोध में आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले, गुरुवार को प्रबंध निदेशक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू कर दिया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी पाँच सूत्रीय मांगें न सिर्फ अनदेखी की गईं, बल्कि इसके विपरीत स्थानांतरण आदेशों में पक्षपात, लेन-देन और उत्पीड़न की बू साफ नजर आती है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक सभी मांगों पर वार्ता कर समाधान नहीं किया जाता, सत्याग्रह जारी रहेगा। कर्मचारियों ने चेताया है कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो पूरे पूर्वांचल से बिजली कर्मियों को वाराणसी बुलाया जाएगा, जिससे औद्योगिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है। बिजलीकर्मियों ने यह भी आरोप लगाया कि बुधवार को सत्याग्रह स्थल विद्युत नगर के गेट को बंद कर दिया गया, जिससे कर्मचारियों को अंदर जाने से रोका गया। हालांकि प्रशासन के अनुरोध पर कोई जोर-जबरदस्ती नहीं की गई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय तक गेट नहीं खोला गया तो कर्मचारी स्वयं निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। सभा में यह भी आरोप लगाए गए कि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण को लेकर फ्रॉड डॉक्यूमेंट पर विद्युत नियामक आयोग पर दबाव बनाया जा रहा है। समिति को आशंका है कि निजी घरानों के हित में किसी भी समय आयोग अभिमत दे सकता है, जो पूरी व्यवस्था को चौपट कर देगा। सभा की अध्यक्षता ई. मायाशंकर तिवारी ने की जबकि संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया। ध्रुव और ज्ञानप्रकाश जैसे युवा कवियों ने अपनी रचनाओं से आंदोलन को नई ऊर्जा दी।

तिरुपति के लिए उड़ान भरने वाला स्पाइसजेट का विमान खराबी के कारण हैदराबाद लौटा

हैदराबाद। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान के क्रेश होने के बाद लगातार विमानों की तकनीकी खराबी के कारण आपातकाल लैंडिंग रकी खबरें आ रही हैं। एयर इंडिया विमान के गिर जाने के कारम 270 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी थी। तब से लेकर रोजाना तकनीकी खराबी या बम से उड़ाने की सूचना के बार काफी सावधानी बरती जा रही है। ताजा मामला हैदराबाद का है। जब तिरुपति के लिए रवाना होने वाला स्पाइसजेट का विमान बृहस्पतिवार को उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही किसी खराबी के कारण यहां हवाईअड्डे पर लौट आया।

उड़ान संख्या एसजी 2696 को सुबह 6.10 बजे रवाना होना था।

ओएनजीसी के पूर्व डीजीएम के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फर्जी मेडिकल बिल जारी करने से संबंधित 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में असम के जोरहाट स्थित ओएनजीसी के पूर्व उप महाप्रबंधक (डीजीएम) और नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ओएनजीसी की शिकायत के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में आरोपी पूर्व डीजीएम बिजॉय कुमार शॉ और उनके सहयोगी तत्कालीन संविदा चिकित्सा अधिकारी (व्यावसायिक स्वास्थ्य) ईशित्व तामुली तथा आठ सूचीबद्ध निजी मेडिकल दुकानों के मालिकों के नाम शामिल हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

अरूणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई) स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई) रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

-ललित गर्ग

विश्व संगीत दिवस- 21 जून 2025

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है ह्यसद्भाव के माध्यम से उपचारह्व, जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को ह्यफेटे डी ला म्यूजिकह्व के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है ह्यसंगीत उत्सवह्व। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में ह्यला फेते डे ला म्यूजिकह्व, यूके में ह्यमेक म्यूजिक डेह्व, इटली में ह्यफेस्टा डेला म्यूजिकाह्व या पोलैंड में ह्यस्विएटो मुजिकीह्व। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्त्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्त्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत ह्यसंगीत रत्नाकरह्व ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा ह्यगीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यतेह्व कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को ह्यदेशीह्व कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल

-अजय कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई हालिया टेलीफोनिक बातचीत वैश्विक कूटनीति और भारत की विदेश नीति के लिहाज से एक अहम मोड़ साबित हुई है। लगभग 35 मिनट तक चली इस बातचीत में न सिर्फ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुई, बल्कि भारत-पाकिस्तान तनाव, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा को लेकर भी बड़े स्तर पर रणनीतिक विमर्श सामने आया। हालांकि यह मुलाकात जी7 सम्मेलन के दौरान आमने-सामने होने वाली थी, लेकिन ट्रंप की अमेरिका वापसी के कारण दोनों नेताओं को फोन पर बात करनी पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प और चर्चित पहलू यह रहा कि ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने विनम्रता पूर्वक ठुकरा दिया, और इसकी वजह सिर्फ राजनयिक व्यस्तता नहीं थी, बल्कि गहरी रणनीतिक सूझबूझ और राजनीतिक परिपक्वता भी इसके पीछे काम कर रही थी।

बातचीत की शुरूआत ट्रंप के उस अनुरोध से हुई जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे कनाडा से लौटते समय अमेरिका रुकते हुए जाएं और व्हाइट हाउस में उनसे मिलें। परंतु, पीएम मोदी ने यह न्योता यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उन्हें अपनी पहले से तय क्रोएशिया यात्रा के लिए निकलना है। यह निर्णय सिर्फ औपचारिक कारणों से नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक संकेत छुपा हुआ था। दरअसल, उसी दिन ट्रंप के साथ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की लंच पर बैठक पहले से निर्धारित थी। ऐसे में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा राजनीतिक रूप से भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती थी। एक ही दिन, एक ही जगह भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फौजी प्रमुख का उपस्थित होना न केवल भारत की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर करता, बल्कि वैश्विक पटल पर गलत संदेश भी जाता।

इस बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर विशेष चर्चा का विषय रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को विस्तार से बताया कि कैसे भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई सटीक, नपी-तुली और गैर-भड़काऊ थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को एक सीमित प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि एक पूर्ण युद्ध के रूप में देखता है। मोदी ने बताया कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत ने गोले से दिया है, और यह नीति भविष्य में भी जारी रहेगी।प्रधानमंत्री ने ट्रंप से यह भी कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में कभी भी अमेरिका की ओर से कोई मध्यस्थता नहीं हुई, न ही भारत ने इसकी कोई मांग की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न भविष्य में करेगा। यह बात भारत की विदेश नीति की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को दर्शाती है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बाद में इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सैन्य कार्रवाई को रोकने की बात भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीधे सैन्य चैनल के जरिए हुई थी, और वह भी पाकिस्तान के आग्रह पर।

इस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को क्वाड (QuÔd) की अगली बैठक के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। ट्रंप ने यह न्योता स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। इसके अतिरिक्त दोनों नेताओं ने इजरायल-ईरान तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में क्वाड की भूमिका को लेकर दोनों की सोच में समानता दिखी, और इस पर भविष्य में मिलकर काम करने की बात कही गई। इस बातचीत में एक और महत्वपूर्ण पहलू अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का 9 मई की रात को पीएम मोदी को किया गया फोन रहा। वैंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो भारत उससे भी बड़ा और निर्णायक जवाब देगा। और ऐसा ही हुआ, 9-10 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जबरदस्त जवाब दिया, जिससे पाकिस्तान की सेना को भारी नुकसान पहुंचा और उसे भारत से सैन्य कार्रवाइयों को रोकने का आग्रह करना पड़ा।

इस पूरी कूटनीतिक कवायद में एक और रोचक बात सामने आई कि प्रधानमंत्री मोदी की क्रोएशिया यात्रा को प्राथमिकता देना सिर्फ एक तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि रणनीतिक रूप से सोचा-समझा निर्णय था। अगर मोदी अमेरिका जाते और उसी दिन व्हाइट हाउस में आसिम मुनीर भी मौजूद होते, तो यह दृश्य दुनिया को भारत की कमजोरी या कूटनीतिक भ्रम का संकेत दे सकता था। भारत की यह परिपक्वता बताती है कि अब हमारी विदेश नीति किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं चलती, बल्कि देशहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लिए जाते हैं।अमेरिकी मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप ने शायद एक ह्लओवरस्मार्टह्व चाल चली थी एक ओर पाकिस्तान के सेना प्रमुख को बुलाना, और दूसरी ओर मोदी को भी उसी दिन आमंत्रित करना। लेकिन भारत ने समय रहते इस चाल को समझ लिया और इससे खुद को अलग रखा। इस प्रकार की राजनीतिक सतर्कता और परिपक्वता भारत को वैश्विक मंच पर एक ठोस और भरोसेमंद ताकत के रूप में स्थापित करती है।

बातचीत के बाद ट्रंप ने भी इस बात को स्वीकार किया कि भारत की आतंकवाद विरोधी नीति न सिर्फ स्पष्ट है, बल्कि निर्णायक भी है। उन्होंने भारत की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अब वह हर आतंकी हरकत का जवाब अपनी शर्तों पर देगा और अंतरराष्ट्रीय समर्थन की प्रतीक्षा नहीं करेगा।इस पूरे घटनाक्रम ने भारत की विदेश नीति के दो प्रमुख पहलू उजागर किए: एक, आतंकी घटनाओं को लेकर भारत की सख्त और स्पष्ट नीति; और दूसरा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आत्मनिर्भर और निर्णायक रुख। ट्रंप के साथ यह बातचीत एक ओर भारत-अमेरिका संबंधों की गहराई को दर्शाती है, तो दूसरी ओर भारत की स्वायत्तता और कूटनीतिक सूझबूझ का प्रमाण भी देती है।

टेलीफोन पर हुई इस बातचीत से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब किसी की मध्यस्थता या सहमति का मोहताज नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में भारत पूरी तरह से अपने निर्णय खुद ले रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका में न रुकने का निर्णय एक तरह से राजनीतिक परिपक्वता, रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय स्वाभिमान का बेहतरीन उदाहरण है। अंततः यह वार्ता केवल 35 मिनट की एक औपचारिक बातचीत नहीं थी, बल्कि यह एक संदेश था दुनिया को, पाकिस्तान को, और शायद अमेरिका को भी कि नया भारत अपने हितों के लिए हर मोर्चे पर सतर्क, संप्रभु और संकल्पित है। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर अमेरिका में न रुकने तक, हर निर्णय में भारत की विदेश नीति की परिपक्वता और रणनीतिक सोच साफ तौर पर दिखाई देती है। यही कारण है कि अब दुनिया भारत की बात सिर्फ सुनती नहीं, उस पर गंभीरता से विचार भी करती है।

ज्ञान के आलोक से मनुष्य:त और वात्सल्य की भावना

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करती है। ज्ञान की उत्कंठा, तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

सुविधा और दुविधा में फंसी यूपी के बेसिक शिक्षकों की तबादला नीति

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के लिए सात साल बाद तबादले खोलकर षिक्षक समाज को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार द्वारा अंतर-जनपदीय और जिला-स्तरीय तबादलों का रास्ता खुलने से शिक्षक खुश तो हैं,लेकिन इसमें वह (शिक्षक) कुछ कमियों की बात करते हुए इन्हें दूर करने की बात भी कह रहे हैं। तबादला प्रक्रिया शिक्षकों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित थी, क्योंकि कई शिक्षक अपने गृह जनपद या परिवार के नजदीक स्थानांतरित होने की उम्मीद में वर्षों से इंतजार कर रहे थे। इस प्रक्रिया की शुरूआत जून 2025 में हुई, जब बेसिक शिक्षा परिषद ने शिक्षकों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की। लेकिन जैसे-जैसे यह प्रक्रिया आगे बढ़ी, शिक्षकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने उनके उत्साह को निराशा में बदल दिया है।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में लाखों शिक्षक कार्यरत हैं, और इनमें से कई अपने गृह जनपद से सैकड़ों किलोमीटर दूर तैनात हैं। परिवार से दूरी, बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों के कारण शिक्षक लंबे समय से तबादले की मांग कर रहे थे। सात साल बाद जब सरकार ने तबादलों की अनुमति दी, तो शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। बेसिक शिक्षा परिषद ने 9 से 12 जून 2025 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे, और आवेदन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मानव संपदा पोर्टल का उपयोग किया गया। इसके बाद 13 जून तक आवेदन के प्रिंटआउट जमा करने और 16 जून को तबादला सूची जारी करने की तारीख तय की गई थी। लेकिन जैसे ही शिक्षकों ने आवेदन शुरू किए, तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं ने उनका रास्ता रोक लिया। सबसे बड़ी परेशानी जो शिक्षकों को हुई, वह थी मानव संपदा पोर्टल की तकनीकी खामियां। कई शिक्षकों ने शिकायत की कि पोर्टल पर उनकी जानकारी गलत दर्ज थी, जैसे कि उनकी सेवा अवधि, जन्म तिथि, या वर्तमान तैनाती का विवरण। कुछ शिक्षकों की मानव संपदा आईडी ही अपडेट नहीं थी, जिसके कारण वे आवेदन प्रक्रिया में भाग नहीं ले सके। इसके अलावा, पोर्टल पर अचानक सर्वर डाउन होने की समस्या ने भी शिक्षकों को परेशान किया।ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले शिक्षकों के लिए यह और भी मुश्किल था, क्योंकि उनके पास इंटरनेट की सुविधा सीमित थी। कई शिक्षकों को साइबर कैफे का सहारा लेना पड़ा, जहां उन्हें अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी का सामना करना पड़ा।

एक और बड़ी समस्या थी तबादले के लिए सीमित जिला विकल्प। बेसिक शिक्षा विभाग ने अंतर-जनपदीय तबादलों के लिए केवल 15 जिलों का विकल्प दिया, जबकि 60 अन्य जिलों में तबादले के लिए आवेदन स्वीकार नहीं किए गए। इससे उन शिक्षकों में निराशा फैल गई, जो अपने गृह जनपद या परिवार के नजदीक किसी विशेष जिले में जाना चाहते थे। विभाग ने यह तर्क दिया कि इन 15 जिलों में शिक्षकों की कमी है, और इसलिए प्राथमिकता इन्हीं जिलों को दी गई। लेकिन शिक्षकों का कहना था कि यह फैसला एकतरफा था और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को नजरअंदाज किया गया। कुछ शिक्षकों ने तो यह भी आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। यही वजह है तबादला सूची जारी होने के बाद भी शिक्षकों की परेशानियां कम नहीं हुईं।

कई शिक्षकों को उनके द्वारा चुने गए विकल्पों से अलग जिलों में स्थानांतरित कर दिया गया। कुछ मामलों में, शिक्षकों को ऐसे स्कूलों में भेजा गया, जहां बुनियादी सुविधाएं, जैसे कि बिजली, पानी, या शौचालय, भी उपलब्ध नहीं थे। इससे खासकर महिला शिक्षकों को ज्यादा परेशानी हुई, क्योंकि उनके लिए नए स्थान पर रहना और काम करना असुरक्षित था। इसके अलावा, तबादले के बाद भी कई शिक्षकों को रिलीव नहीं किया गया। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक का तबादला पीलीभीत के एक प्राथमिक विद्यालय में हुआ, लेकिन उनके मूल स्कूल ने उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया, जिससे वे न तो नए स्कूल में जॉइन कर सके और न ही पुराने स्कूल में नियमित रूप से काम कर पाए।

तबादलों के दौरान वेतन संबंधी समस्याएं भी शिक्षकों के लिए सिरदर्द बनीं। तबादले के बाद कई शिक्षकों की मानव संपदा आईडी और लास्ट पे सर्टिफिकेट (एलपीसी) ट्रांसफर नहीं हुए, जिसके कारण उनका जून 2025 का वेतन रुक गया। यह समस्या खासकर उन शिक्षकों के लिए गंभीर थी, जो आर्थिक रूप से कमजोर थे और परिवार का खर्च चलाने के लिए वेतन पर निर्भर थे। शिक्षकों ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जताई, और कई ने बेसिक शिक्षा परिषद से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिला, जिससे शिक्षकों का गुस्सा और बढ़ गया। प्रशासनिक स्तर पर भी तबादलों में कई अनियमितताएं देखी गईं।

कुछ शिक्षकों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोग अपने रसूख का इस्तेमाल कर मनचाहे स्थानों पर तबादला करवा रहे थे, जबकि सामान्य शिक्षकों को अनदेखा किया जा रहा था। इसके अलावा, तबादला प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने भी शिक्षकों का भरोसा तोड़ा। कई शिक्षकों को यह समझ नहीं आया कि उनकी प्राथमिकता के बावजूद उन्हें दूसरा जिला क्यों मिला। कुछ शिक्षकों ने तो यह भी कहा कि तबादला सूची में उनके नाम ही गायब थे, जबकि उन्होंने समय पर आवेदन किया था।

इसके अलावा, सरकार के हाल के फैसले ने भी शिक्षकों को और परेशान कर दिया क्योंकि एक तरफ शिक्षकों के तबादले खोले गये तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग में तबादलों पर अस्थायी रोक लगा दी गई। इसका कारण स्कूल चलो अभियान और अन्य विभागीय कार्यों को सुचारू रूप से चलाना बताया गया। शिक्षकों का कहना था कि यह रोक उनके साथ नाइंसाफी है, क्योंकि तबादला प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी और कई शिक्षक नए स्कूलों में जॉइन करने की तैयारी कर रहे थे। इस रोक ने उन शिक्षकों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, जो अपने परिवार के करीब जाने का सपना देख रहे थे। अधिकांश शिक्षकों का कहना है कि योगी सरकार की तबादला नीति से उन्हें सुविधा कम दुविधा जैसा हो रही है।

शिक्षकों की इन परेशानियों ने बेसिक शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। एक ओर, सरकार ने तबादलों को पारदर्शी और शिक्षक हित में बताया, लेकिन दूसरी ओर, तकनीकी खामियां, सीमित विकल्प, और प्रशासनिक अनियमितताओं ने इस प्रक्रिया को जटिल बना दिया। शिक्षकों का कहना है कि अगर विभाग ने पहले से तैयारी की होती, तो ये समस्याएं नहीं आतीं। कई शिक्षकों ने तो यह भी मांग की है कि तबादला प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जाए, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। बहरहाल, तबादला चाहने वाले शिक्षक अभी भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि उनकी परेशानियां जल्द दूर होंगी।

तबादला प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी

सरकार ने 24 मई 2025 को नई तबादला नीति जारी की, जिसमें 5 साल की न्यूनतम सेवा अवधि की बाध्यता हटा दी गई। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक शिक्षकों को तबादले का अवसर देना था, खासकर उन नए शिक्षकों को जो 68500 और 69000 सहायक अध्यापक भर्ती में चयनित हुए थे। विभाग का दावा है कि इस नीति से 6 लाख से अधिक शिक्षक लाभान्वित होंगे ।वहीं तबादला प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना था कि शिक्षकों की तबादला प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जैसे ऑनलाइन आवेदन, सेवा अवधि की बाध्यता हटाना, और आवेदन तारीख बढ़ाना आदि शमिल है। हालांकि, तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण कुछ समस्याएं आई हैं, जिन्हें हल करने के लिए विभाग काम कर रहा है। तबादलों पर अस्थायी रोक को सरकार ने विभागीय कार्यों की प्राथमिकता के रूप में उचित ठहराया है। शिक्षकों की शिकायतों के बावजूद, सरकार का दावा है कि यह प्रक्रिया उनके हित में है और जल्द ही बाकी मुद्दों का समाधान कर लिया जाएगा।

खाली पड़े हैं 85152 सहायक अध्यापक पद

उत्तर प्रदेश सरकार ने 06 फरवरी में बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बताया था कि राज्य में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक के 85152 पद रिक्त हैं। हालांकि, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को मिलाकर छात्र-शिक्षक का अनुपात पूरा है और पढ़ाई में कोई दिक्कत नहीं है। विभाग में शिक्षा मित्र, अनुदेशक और सहायक अध्यापकों को मिलाकर वर्तमान में शिक्षकों की संख्या 6,28,915 है। संचालित प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक के 85152 पद रिक्त हैं। प्रदेश के परिषदीय प्राइमरी स्कूलों में कुल 4,59,450 शिक्षक हैं। इनमें 3,38,590 प्राइमरी में है जबकि 1,20, 860 शिक्षक अपर प्राइमरी स्कूलों में है। इसी प्रकार से प्राइमरी स्कूलों की संख्या 1,11614 हैं जबकि अपर प्राइमरी स्कूल 45,651 है।

दादर हिंदू कालोनी में गरीब असहाय का सहारा बने बाबू भाई भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दादर हिन्दू कोलोनी डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर निवास (राजगृह) के पास फुटपाथ पर एक व्यक्ति बरसात में थरथर कॉप रहा था। उस असहाय व्यक्ति का सहारा बने बाबुभाई भवानजी व समाजसेवी धीरजभाई छेडा ने उसके पास जाकर देखा कि वह व्यक्ति बुखार से पीड़ित था। मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबू भाई भवानजी ने तत्काल एम्बुलेंस बुला कर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया, और उपचार शुरू किया गया। बाबू भाई भवानजी माटुंगा, दादर, वडाला क्षेत्र जाने-माने समाजसेवी है। यह सेवा कच्छी जैन फाउंडेशन के तरफ से सेवा उपलब्ध कराई गई। यह जानकारी मंजूला बेन छेड़ा ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

महेंद्र यादव उत्तर यादव युवा संघ दक्षिण मुंबई का जिलाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। संघ के संस्थापक-अध्यक्ष व संगठन समिति अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव के मार्गदर्शन एवं निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय महासचिव विजयबहादुर लालजी यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं भूखंड समिति अध्यक्ष कैलाश चंद्रधारी यादव की उपस्थिति में तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामदुलार (आर.डी.) यादव एवं पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रबहादुर (पप्पू) यादव की सलाहानुसार, महेंद्र बैजनाथ यादव निवासी शिवड़ी, मुंबई / मूल बुधनपुर, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश को उत्तर यादव युवा संघ (रजि.) - दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर दक्षिण मुंबई के समस्त स्वजातीय बंधुओं ने हर्ष व्यक्त किया है एवं संगठन के समर्पित कार्यकर्ता होने के लिए महेंद्र यादव को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। संघ की केंद्रीय एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा जिला पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि आपके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त, संगठित व रचनात्मक दिशा में अग्रसर होगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पालघर में होगा वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरणीय कार्यक्रम : मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) - 2 के तहत 21 जून 2025 को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में योग सत्रों के साथ-साथ वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरणीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने दी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रानडे ने बताया कि यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा कर रहा है। इस अवसर पर देशभर में 10 विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें कार्यक्रम क्रमांक 1 झ योग संगम के तहत 21 जून को सुबह 6:30 से 7:45 तक प्रमुख योग सत्र आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होगा। जिले में यह कार्यक्रम ग्राम आरोग्य पोषण पाणी पुरवठा व स्वच्छता समितियों (वीडबल्यूएससी) और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। संबंधित समितियों को योग संगम की मानक कार्यप्रणाली और आवश्यक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम क्रमांक 2 झ हरित योग के अंतर्गत पारंपरिक योग के साथ पर्यावरणीय स्थायित्व को भी बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और समुदाय आधारित पर्यावरणीय गतिविधियां भी चलाई जाएंगी। यह सभी गतिविधियां योग दिवस के ﾒहरित योगﾒ कार्यक्रम के अंतर्गत समाहित होंगी। इस वर्ष के कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें ﾒवॉश केंद्रितﾒ (पानी, स्वच्छता व स्वास्थ्य) दृष्टिकोण को शामिल किया गया है। ﾒयोग फॉर वेलबीइंग अँड वॉशﾒ सम्मेलन जल जीवन मिशन व स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की मौजूदा संपत्तियों के स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान समितियों द्वारा संबंधित लाभार्थियों की बैठकें, परिसर की सफाई, महत्वपूर्ण जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन संपत्तियों के सामने योग सत्र, एवं योग, योजना और समुदाय भागीदारी को दशार्ने वाली स्पष्ट तस्वीरें भी संकलित की जाएंगी। उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पाणी व स्वच्छता) अतुल पारसकर ने जिले के सभी संबंधित विभागों और समितियों से आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करें और सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि यह आयोजन अधिकतम सफल और जनसहभागी बन सके।

नागा साधुओं ने दिलाया भारत को वैश्विक सम्मान, महाकुंभ 2025 में स्वास्थ्य पहल के लिए फ्रांस में मिला सम्मान

मुंबई। पूज्य नागा साधुओं ने नागा सन्त नेत्र परीक्षण के माध्यम से भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह एक प्रभावशाली जनस्वास्थ्य अभियान था, जिसे फ्रांस में आयोजित कान्स लायंस इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ क्रिएटिविटी 2025 में हेल्थ एंड वेलनेस कैटेगरी में सिल्वर लायन पुरस्कार से नवाजा गया। यह पहल गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और आईबेट्स फाउंडेशन के सहयोग से चलाई गई, जो डायबिटीज और रोकी जा सकने वाली अंधता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कार्यरत एक सामाजिक संस्था है। भारत में लगभग 10 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जिनमें से 60% लोगों को यह पता ही नहीं होता। डायबिटीज, रोकी जा सकने वाली अंधता का प्रमुख कारण भी है। गोदरेज क्रिएटिव लैब द्वारा विकसित नागा संत नेत्र परीक्षण अभियान इस गंभीर समस्या को सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव वाले और साहसी तरीके से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश थी।

पालघर जिले के विकास कार्यों को दें गति : पालकमंत्री गणेश नाईक

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी प्रगतिशील परियोजनाओं को गति दी जाएगी, यह आश्वासन महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने दिया। उन्होंने मुंबई के सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में बुलेट ट्रेन सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की।

इस बैठक में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए), राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), रस्ते विकास महामंडळ (एमएसआरडीसी), नगर रचना व मूल्यनिर्धारण संचालनालय, नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन आणि मुंबई रेल्वे विकास महामंडळ (एमआरबीसी) जैसी एजेंसियों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सुर्या प्रादेशिक जल आपूर्ति योजना, बाह्य रिंग रोड विकास योजना, समृद्धी महामार्ग को विक्रमगड-पालघर से जोड़ने वाला मार्ग, विरार-अलिबाग मल्टीमॉडल कॉरिडोर, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, तथा एमयूटीपी-3 के अंतर्गत पालघर जिले में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाएं आदि शामिल रहीं।

गणेश नाईक ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा

बुलेट ट्रेन सहित प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

हाल ही में पालघर दौरे में व्यक्त की गई विकास प्रतिबद्धता को साकार करने के लिए सभी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जाएगा। वन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से सभी जरूरी मंजूरियाँ और सहयोग तेजी से प्रदान किया जाएगा। पालकमंत्री नाईक ने कहा कि वाढवण बंदरगाह, समृद्धी महामार्ग और बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएं पालघर जिले के भविष्य को नई दिशा देने वाली हैं और इनसे जिले का सामाजिक-आर्थिक चेहरा बदल जाएगा। सरकार की प्राथमिकता इन योजनाओं को समय पर पूरा करना है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (वन) मिलिंद म्हैसकर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक शोमिता बिस्वास, जिलाधिकारी इंदुरानी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, वसई-विरार महापालिका आयुक्त अनिल पवार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गणपत पाटील नगर में बिजली कनेक्शन न होना दुर्भाग्यपूर्ण : मनीष दुबे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के हिंदी भाषा विभाग के मुंबई अध्यक्ष मनीष दुबे ने आज अडानी इलेक्ट्रिसिटी के विभाग प्रमुख मनोज चौहान से कांदिवली स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की और गणपत पाटिल नगर में बिजली कनेक्शन देने के विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर जितेंद्र गुप्ता, देवेंद्र पांडे, अवधेश यादव, इंदल सरोज,राजू शर्मा,लाला यादव, सौरभ तिवारी शैलेन्द्र यादव, उमाशंकर गुप्ता समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। मनीष दुबे ने गणपत पाटील नगर में बिजली कनेक्शन न होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह संविधान में जनता को दिए गए मूलभूत अधिकारों का हनन है।

जव्हार-मोखाडा की आंगनवाड़ी सेविकाओं ने पालवी पहल के प्रेरणादायक अनुभव किए साझा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एमसीए सभागृह में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पालघर जिले के जव्हार और मोखाडा तहसील की आंगनवाड़ी सेविकाओं ने पालवी उपक्रम के जरिए अपने कार्य में आए सकारात्मक बदलावों का अनुभव साझा किया। यह कार्यक्रम क्वेस्ट संस्था द्वारा संचालित पालवी पहल और रोटरी क्लब 3141 के सहयोग से आयोजित किया गया। पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल जिले की 500 से अधिक आंगनवाड़ियों में क्रियान्वित की जा रही है। कार्यक्रम में पालघर जिले के मोखाडा तहसील के सप्रेवाड़ी की

वंदना वरठा और जव्हार तहसील के सडकपाड़ा की कल्पना गोरे, प्रभारी बालविकास परियोजना अधिकारी कल्पना भोये और पर्यवेक्षिका सरला मेतकर ने मंच पर अपने अनुभव अत्यंत आत्मीयता और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किए। कल्पना भोये ने बताया, पहले बच्चे आंगनवाड़ी आने में रुचि नहीं लेते थे, लेकिन अब पालवी के चलते उनमें शिक्षा के प्रति लगाव बढ़ा है और अभिभावकों का सहयोग भी मिल रहा है। कार्यक्रम की एक खास बात यह रही कि सभागार की प्रत्येक टेबल पर सप्रेवाड़ी और सडकपाड़ा की आंगनवाड़ियों से जुड़े बच्चों की तस्वीरें और गतिविधियों के क्षणचित्र सजाए गए थे। इन छायाचित्रों से पालवी उपक्रम के प्रभाव का प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता था।

पालवी के जरिए आंगनवाड़ी केंद्र अब केवल पोषण केंद्र न रहकर प्रभावी शिक्षा के केंद्र बन रहे हैं, जहां खेल, गीत, संवाद और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। इस कार्यक्रम ने आंगनवाड़ी सेविकाओं की सामाजिक भूमिका को नई पहचान और सम्मान प्रदान किया। इस कार्यक्रम में क्वेस्ट संस्था के निदेशक नीलेश निमकर, ट्रस्टी अनुपमा जोशी, सहनिदेशक मिताली थत्ते, परियोजना प्रबंधक तुषार मराडे, रोटरी क्लब 3141 के पदाधिकारी और परियोजना को आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले दाता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देगा जातिगत जनगणना : जगदंबिका पाल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय, समानता और सही नीति निर्माण के लिए आवश्यक है। इससे सरकार को विभिन्न जातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को समझने में मदद मिलती है, जिससे वंचित वर्गों के लिए बेहतर योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। विश्व प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में गणपति बप्पा की पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के कार्यालय में हमारे संवाददाता से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा सांसद जगदंबिका पाल ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि 74 वर्षों के बाद हो रही इस जनगणना का सारा

श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णय से विपक्ष पूरी तरह से बौखला गया है। यही कारण है कि विपक्ष आधारहीन बातों को उठा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पिछड़े और दलितों का हर हाल में विकास चाहती है। इस दिशा में मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जनता अब विपक्ष के रवैये को पहचान चुकी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सहयोगी दलों के साथ भाजपा अच्छा काम कर रही है। जनता पूरी तरह से संतुष्ट और खुश नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के साथ योगी आदित्यनाथ फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा मध्य प्रदेश के प्रभारी विधायक डॉ महेंद्र सिंह तथा महेश कुमार चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

बोरीवली गणपत पाटिल नगर की समस्याओं को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से हुई बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणपत पाटिल नगर की बढ़ती जन समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) के शरद पवार गुट के प्रवक्ता मनीष दुबे ने टल्ध्र पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

मनीष दुबे ने अपने साथियों के साथ मिलकर दहिसर पश्चिम वार्ड क्रमांक 1 में स्थित गणपत पाटिल नगर की स्थिति पर चर्चा की। खासतौर पर गली नंबर 14 में एक महीने पहले हुए ट्रिपल हत्याकांड के मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों को गंभीर रूप से अवगत कराया गया। बैठक में ड्रग्स, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर नकेल कसने

की मांग की गई। इसके साथ ही जमीन कब्जा करने, बिजली चोरी जैसी गैरकानूनी गतिविधियों को भी रोकने के लिए पुलिस से सख्त कार्रवाई की अपील की गई। मनीष दुबे ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश पवार को ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें गणपत पाटिल नगर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया गया। इस पहल का उद्देश्य गणपत पाटिल नगर को सुरक्षित और शांतिपूर्ण क्षेत्र बनाना है, ताकि वहाँ के निवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा या खतरे का सामना न करना पड़े।

55वें पेरिस एयर शो में रघु वामसी एरोस्पेस ग्रुप हुई शामिल

मुंबई। भारत की एरोस्पेस यात्रा में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए हैदराबाद के रघु वामसी एरोस्पेस ग्रुप (जो हाई-प्रेसीजन मैनुफैक्चरिंग में लीडर है) ने 55वें इंटरनेशनल पेरिस एयर शो के दौरान अपनी आधुनिक डीफेंस एवं प्रोपल्जन तकनीकों का अनावरण किया। स्वदेशी माइक्रो टर्बोजेट इंजन से लेकर हाई-परफोर्मेन्स कमीकाजे ड्रोन्स तक, कंपनी ने अपने बढ़ते ग्लोबल फुटप्रिन्ट तथा रक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

शो के दौरान रघु वामसी ने पूरी तरह से स्वदेशी 40केजीएफ माइक्रो टबोर्जेट इंजन का अनावरण किया, जिसे यूएवी एवं क्रूज मिसाइल्स के लिए विकसित किया गया है, यह भारत की प्रोपल्जन क्षमताओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। कंपनी की हैदराबाद युनिट में डीआरडीओ अधिकारियों की मौजूदगी में सफलतापूर्वक जांचा गया यह हाई-थ्रस्ट इंजन, चार स्वदेशी इंजनों के ग्रुप (14, 19, 25 और 40 केजीएफ) का एक भाग है, जिसे पूरी तरह से भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है। रघु वामसी एरोस्पेस ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर वामसी विकास ने बताया के ﾒयह इंजन भारतीय एरोस्पेस प्रोपल्जन के लिए ऐतिहासिक कदम है। यह सालों के अनुसंधान एवं विकास का परिणाम है जो मैनुफैक्चरिंग की सटीकता तथा आत्म निर्भर रक्षा तकनीकों को सुनिश्चित करता है।

अपनी आधुनिक क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए कंपनी ने अपने डीप-टेक ब्राण्ड एरोबोट के तहत विकसित जैट-पावर्ड फिक्स्ड-विंग कमीकाजे यूएवी- एस्ट्रा 100 का प्रदर्शन किया। 200 किलोमीटर की रेंज और 450 किलोमीटर प्रति घण्टा तक की स्पीड के साथ यूएवी ने इसी साल टेस्ट ट्रायल्स को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। पूरी तरह से स्वदेशी सिस्टम- फ्लाइट कंट्रोल, प्रोपल्जन और टेलीमीट्री से पावरर्ड एस्ट्रा 100 भारत में ऑटोनोमस कॉम्बेट यूएवी के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करता है। विकास ने कहा कि ﾒहम 100 फीसदी स्वदेशी सिस्टम के साथ स्वायत्त युद्ध के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। एस्ट्रा 100 भारत को इस क्षेत्र में नेतृत्व के लिए तैयार करता है। ग्लोबल एरोस्पेस प्लेयर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बनाते हुए रघु वामसी ने हाल ही में यूएसए के सैराक्यूज स्थित 40 वर्ष पुरानी एरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग कंपनी डब्ल्यूएमटी प्रेसीजन एलएलसी का अधिग्रहण किया था, जिसे कोलिन्स, पार्कर एवं हनीवैल के लिए फ्यूल नॉजल के उत्पादन हेतु जाना जाता है। इस अधिग्रहण से क्रिटिकल एरो इंजन कम्पोनेन्ट्स में रघु वामसी की क्षमता बढ़ गई है और कंपनी ने उत्तरी अमेरिकी बाजार में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर लिया है।

इसी साल ग्रुप ने पीएमसी ग्रुप (यूके) के अधिग्रहण के साथ ऑयल एण्ड गैस सेक्टर में भी प्रवेश किया और सरफेस, ड्रिलिंग, सब-सी, वायरलाईन ऑपरेशन्स के लिए हाई-परफोर्मेन्स निकल एलॉय कम्पोनेन्ट्स में विशेषज्ञता हासिल करते हुए अपने आधुनिक इंजीनियरिंग पोर्टफोलियो को एरोस्पेस एवं डीफेंस के दायरे से आगे बढ़ा लिया है।

अपने बढ़ते प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को समर्थन प्रदान करने के लिए रघु वामसी हैदराबाद के हार्डवेयर पार्क में 250,000 वर्गफीट में फैली आधुनिक मैनुफैक्चरिंग युनिट का विकास कर रहा है। इस युनिट में ग्लोबल ओईएम के लिए हाई प्रेसीजन मशीनिंग, मिसाइल सिस्टम के लिए सब-असेम्बलीज, इंजन, यूएवी एवं अनमैन्ड ग्राउंड व्हीकल्स के लिए फाइनल असेम्बली के विशेष विभाग होंगे।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जनपद के विभिन्न थोक एवं फुटकर कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी

आकस्मिक छापे की कार्यवाही के दौरान दो दुकानों का लाइसेंस किया गया निलम्बित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में 18 जून 2025 को जनपद के विभिन्न थोक एवं फुटकर कीटनाशक विक्रेताओ के प्रतिष्ठानों पर अलग-अलग टीम बनाकर आकस्मिक छापे की कार्यवाही की गयी।कार्यवाही के दौरान दो दुकान का लाइसेंस निलम्बित किया गया एवं 17 संदिग्ध कीटनाशको के नमूने प्रतिष्ठानों से आहरित करके उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया। इस

छापेमारी में जिला कृषि रक्षा

अधिकारी विवेक कुमार द्वारा सदर में एवं बदलापुर में जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह द्वारा मछलीशहर एवं मडियाहू तथा वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप- ए राजेंद्र कुमार यादव द्वारा केराकत एवं शाहगंज तहसील में छापे की कार्यवाही की गयी।

साथ ही प्रतिष्ठान संचालको को सख्त निर्देश भी दिया गया कि किसी भी प्रकार के प्रतिबन्धित कीटनाशी रसायनों का क्रय-विक्रय न करें जिससे कृषको को नुकसान पहुचें।

वाराणसी के कैंट स्टेशन के एटीवीएम से फर्जी जनरल टिकट की बिक्री के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

जालसाजों ने रेलवे को लगाई करोड़ों की चपत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के कैंट स्टेशन के एटीवीएम से फर्जी जनरल टिकट की बिक्री के मामले में आरोपी को जीआरपी ने बुधवार को किया गिरफ्तार। आरपीएफ और वाणिज्य विभाग के कर्मियों ने भी आरोपी से पूछताछ की है। जांच में दो कर्मचारियों और एक बाहरी व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध मिली है। मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक जेपी मिश्रा की तहरीर के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यात्री राजमणि और रेखा शर्मा ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि मुंबई के छह जनरल टिकट का 2200 रुपए लिए गए। उन्होंने सौरभ नाम के कुली का नाम लिया था जिसने इस एटीवीएम से टिकट दिलवाए थे। इस संबंध में जीआरपी इंस्पेक्टर रजोल नागर ने बताया- मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक की तहरीर पर शिवपुर निवासी एटीवीएम संचालक बृजेश श्रीवास्तव पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।जांच में पता चला ब्रजेश मुंबई जाने वाली ट्रेन महानगरी एक्सप्रेस के अलावा शटल के टिकट बेच रहा था।

इसी तरह के फर्जी टिकट जबलपुर और छिवकी स्टेशन पर भी पकड़े गए हैं। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया- इस तरह जालसाजों ने रेलवे को करोड़ों की चपत लगाई है। रेलवे बोर्ड के पास शिकायत पहुंचने पर कर्मचारियों की संलिप्तता उजागर होने पर कार्रवाई की गई है। जब सीसीटीवी फुटेज चेक की गई तो न्यू बिल्डिंग में एटीवीएम संख्या 11 के पास से युवक टिकट देता दिखाई दे रहा है। पकड़े गए एटीवीएम संचालक से पूछताछ में पता चला कि महाकुंभ में भी लगातार टिकट ऐसे बेचे गए हैं। इसकी भी जांच की जा रही है। बता दें कि कैंट स्टेशन पर 16 एटीवीएम काम कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और (एनएसयूआई) शहर अध्यक्ष अमन सिन्हा की अगुआई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन जौनपुर स्थित वृद्धा आश्रम में केक काटकर और फल वितरित करके निराश्रित लोगो के साथ मनाया गया। राहुल गांधी आज 55 वर्ष के हो गए हैं। वे देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मुख्य चेहरा और रणनीतिक नेता के रूप में जाने जाते हैं। उनका जन्म 19 जून 1970 को हुआ था इस अवसर पर शहर अध्यक्ष एनएसयूआई अमन सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) में आंतरिक लोकतंत्र और पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार किए। इससे इन संगठनों की सदस्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिला। उन्होंने कृषि कानूनों की वापसी (2021), जीएसटी दरों में सुधार, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया और विपक्ष की भूमिका को मजबूती दी। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीर बहादुर विक्रम सिंह बाबा द्वारा एनएसयूआई का पोस्टर जारी किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राकेश उपध्याय, राकेश मिश्रा मंगला, विशाल सिंह हुकुम, राजकुमार गुप्ता, प्रवीन सिंह पिंटू, अजय सोनकर, नेशार इलाही, अमिश श्रीवास्तव, एनएसयूआई शहर उपाध्यक्ष रोहित पाण्डेय, कार्तिके चतुर्वेदी, एनएसयूआई शहर महासचिव शुशांत पाण्डेय, कृष्णा पाण्डेय शहर सचिव सिद्धार्थ श्रीवास्तव, नितीश बिन्द, विशाल बिन्द, सार्थक श्रीवास्तव सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

21 जून 2025 को राजकीय आईटीआई जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ०प्र० एवं जिलाधिकारी के निर्देश के कम में राजकीय आई०टी०आई० जौनपुर में 21 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसकी शैक्षिक योग्यताः- हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई० एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेबपोर्टल- gaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

बिजली विभाग ने विद्युत वितरण खंड तृतीय लालगंज आजमगढ़ के अंतर्गत क्षेत्र में चलाया मेगा ड्राइव अभियान

मुहम्मद आरिफ

लालगंज, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बिजली विभाग ने विद्युत वितरण खंड तृतीय-लालगंज आजमगढ़ के अंतर्गतक्षेत्र में चलाया मेगा ड्राइव अभियान, 11 लोगों पर की एफआईआर एवं बकाए पर काटे 205 कनेक्शन,प्रबंध निदेशक पूर्वांचल निगम के निदेर्शानुसार ज्यादा बिजली चोरी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर विद्युत वितरण खंड तृतीय-लालगंज आजमगढ़ क्षेत्र में आज बिजली विभाग ने बृहद मेगा ड्राइव अभियान चलाया। बिजली विभाग के एक्सईएन अरविंद सिंह के नेतृत्व में कोइलारी, लहुआ, बेला फीडर के विशंभरपुर सिधौना, जमालपुर, लहुआकला, समेत दर्जनों मुहल्लों में आज बिजली विभाग की 08 टीमों ने सुबह से ही चेकिंग शुरू कर दी गई जिससे बिजली चोरों में हड़कंप मचा रहा। 252 की बिजली चेकिंग में करीब 11 उपभोक्ता को बिजली की चोरी करते पकड़े गये जिनके ऊपर एफआईआर दर्ज की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 205 घरों की बिजली बिल बकाया होने पर काटी गयी जिनके ऊपर लगभग 78 लाख का बिजली बिल बकाया था। चेकिंग के दौरान करीब रु.18 लाख के बकाये की भी वसूली की गयी। बिजली विभाग के एक्सईएन अरविंद सिंह ने बताया कि आज

पूरे खण्ड के अधिकारियों, कर्मचारियों की 08 टीमों को चेकिंग में लगाया गया था। चेकिंग में प्रबन्ध निदेशक द्वारा डिस्कॉम से नामित अधिकारियों द्वारा भी रेड अभियान का निरीक्षण कर बिजली चोरी एवं बकायेदारों पर कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील है कि विच्छेदन तिथि के अंदर अपना बकाया बिजली बिल जमा करवाए एवं बिजली चोरी न करे। शाम 05:30 पर खण्ड के समस्त मीटर रीडर्स को बुलाकर खण्ड में परेड कराई गई जिसमें मीटर रीडर्स के कार्यों की समीक्षा की गई। अब मीटर रीडर्स कोई भी गलत बिल नहीं बना पाएंगे क्यूंकि शतप्रतिशत मीटर की फोटो खींचकर ऑटो ओसीआर एवं प्रोब के माध्यम से ही बिल बनाने है। जिससे गलत बिल बनने की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी एवं रेडिंग के कार्यों में शिथिलता बरतने वाले मीटर रीडर्स को चेतावनी जारी की गई है। यदि उनके कार्यों में माह के आखिरी तक सुधार नहीं होता है तो ऐसे मीटर रीडर्स को बर्खास्तगी की कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आगे भी अभियान लगातार चलता रहेगा एवं खंड में 1 सप्ताह में चयनित 1 फीडर पर चेकिंग पूर्ण कराकर बिजली चोरी एवं बकायेदारों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आगे बताया की 10 हजार रुपए से अधिक बकायेदारों के विद्युत विच्छेदन कर शिकंजा कसा जाएगा एवं बिजली चोरी कर रहे उपभोक्ताओं के कनेक्शन को काटकर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। ट्रांसफॉर्मर को जलने से बचाने के लिए फ्यूज सेट एवं टेललेस यूनिट लगाए जा रहे हैं जिससे पिछले साल से 50 प्रतिशत तक ट्रांसफॉर्मर खराब होने की दर कम हुई है एवं विद्युत आपूर्ति में सुधार हुआ है भीषण गर्मी में बिजली विभाग सतत विद्युत आपूर्ति बनाए रखने में लगा हुआ है।

विश्वविद्यालय में वाई ब्रेक योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में गुरुवार को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत कार्मिकों के लिए वाई ब्रेक योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के

साथ अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग किया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि जीवन को योग को सदैव शामिल किये रहे।वाई-ब्रेक योग प्रोटोकॉल, आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित एक पांच मिनट का योग कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से काम करने वाले लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि वे अपने कार्यदिवस के दौरान तनाव मुक्त, तरोताजा और फिर से ध्यान केंद्रित कर सकें।योगाचार्य जय सिंह द्वारा योग प्रोटोकॉल में सरल योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान कराया गया।इसमें ताड़ासन, स्कंध चक्र, अर्धचक्रासन, नाड़ीशोधन प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, उपकुलसचिव बबीता सिंह, एआर मुस्ताक अली, डॉ.मनोज पाण्डेय, डॉ. पुनीत सिंह, संजय सिंह, श्याम त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, पंकज सिंह समेत विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंदवक पीड़िता की गुहार पर गाड़ी से उतरे जिलाधिकारी

रोती बिलखती पीड़िता ने जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक डोभी विकास खंड के सभागार में किसानों संग बैठक के बाद जब डीएम जाने के लिए गाड़ी में बैठें उसी समय उनकी निगाह तहरीर लिए एक रोती बिलखती पीड़िता पर पड़ी तो वह न्याय की गुहार लगाई गाड़ी से उतर गए। पीड़िता सुरसत्ती देवी पत्नी संजय गुप्ता से उन्होंने समस्या पूछी तो उसने अपनी आबादी की जमीन पर दबंगो द्वारा कब्जे को लेकर बात बताई । प्रार्थना पत्र लेकर एसडीएम राजेश चौरसिया को बुलाया कहा कि इस मामले को गंभीरता से देखिए और निस्तारित करें। मामला काफी दिनों से चल रहा है। डोभी स्टेशन के निकट सुरसत्ती देवी पत्नी संजय गुप्ता का मामला आबादी पर कब्जा को लेकर है। विगत दिनों सुरसत्ति का नाम घरौनी खाते में दर्ज है। एक माह पूर्व लेखपाल, कानूनगो व अन्य अधिकारियों के साथ जाकर नापी कर दिए थे किंतु विपक्षी गण कब्जा नहीं लेने दे रहे हैं।

'एक पृथ्वी, स्वस्थ संसार': संत निरंकारी मिशन द्वारा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर देशव्यापी आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी मिशन द्वारा ह्यअंर्तराष्ट्रीय योग दिवसह्व के अवसर पर शनिवार, 21 जून 2025 को प्रातः 6:00 बजे भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ 'योग दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में शहर के अहमद खां मंडी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन सहित 42 ब्रांचो में योग दिवस का कार्यक्रम होगा। मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' का विषय- 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो।

इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है।संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 'योग दिवस' का नियमित रूप से देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। यह पहल सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से निरंतर विस्तारित हो रही है, जिनका मार्गदर्शन रहा है ''स्वस्थ मन, सहज जीवन।'' उनके विचारों में यह स्पष्ट है कि मानव शरीर ईश्वर की एक अनुपम देन है जिसे स्वस्थ और सशक्त बनाकर ही मानव अपने आध्यात्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन कर सकता है।

योग भारत की एक प्राचीनतम विद्या है, जो न केवल शरीर को सबल बनाती है बल्कि मन को शांत और आत्मा को जागृत करने की क्षमता भी रखती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, असंतुलन और रोगों से बचाव करते हुए व्यक्ति आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द की दिशा में अग्रसर होता है आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य यही है कि हम स्वयं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और एक सुखद, संतुलित एवं शांतिपूर्ण जीवन जीने की ओर बढ़ें।

नि:शुल्क पाठशाला में मनाई गई महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर के मोहल्ला गुड़हाई में चल रहे निःशुल्क पाठशाला में बुधवार को महारानी लक्ष्मीबाई के पुण्यतिथि पर उनको याद करते हुए दी श्रद्धांजलि।पाठशाला में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर उनको याद करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको याद किया गया। इस अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई युवा ब्रिगेड के संस्थापक जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में रानी लक्ष्मीबाई की

छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुई, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। पाठशाला संस्थापक संचालक पत्रकार सूरज विश्वकर्मा ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी है। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष?मीबाई का जीवन था। इस दौरान जितेंद्र गुप्ता, पत्रकार सूरज विश्वकर्मा, राहुल गुप्ता, शिक्षिका प्रीति गुप्ता, रुचि पुष्पाकर, श्याम गुप्ता, अंकीत गुप्ता सहित बच्चे मौजूद रहे।

सिंगरामऊ व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने 4 शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

◆ चोरी की 4 मोटरसाइकिल व अवैध शस्त्र बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिंगरामऊ व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम मल्लूपुर नहर पटरी के पास से चार लोगों को चोरी की 4 मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। जमातलाशी से 3 नाजायज चाकू व 4 मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तारी बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सिंगरामऊ पर मु0अ0सं0-94/2025 धारा-2(30), 317(2), 317(4), 317(5) बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी 1.कार्तिक उपाध्याय पुत्र अनिल उपाध्याय निवासी ग्राम रामपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 2.विकास गुप्ता पुत्र सदाबृज गुप्ता निवासी ग्राम भूला थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर। 3.अनुराग दूबे पुत्र राजेश कुमार दूबे निवासी ग्राम पहितियापुर थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर। 4.शिवम उपाध्याय पुत्र अखिलेश उपाध्याय निवासी ग्राम अटौली थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण-04 चोरी की मोटर साइकिल, 04 मोबाइल फोन, 03 नाजायज चाकू व 400 रूपए नकद।

चौबेपुर में युवतियों का अवैध वसूली का खेल

रास्ते में जीन्स पहनी लड़कियां गाड़ियों को रोक मांग रही पैसा!

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चौबेपुर के स्थानीय बाजार में बबली गैंग सक्रिय हो रहा है। बुधवार को राजस्थान की युवतियों द्वारा अवैध वसूली का मामला सामने आया है। सुबह 10 बजे के लगभग एक एजेंसी के सामने हाइवे पर जो मदद के नाम पर लोगों से वसूली कर जेब ढीली कर रही है। अगर प्रशासन ध्यान नहीं दिया तो यह बहुत बड़ा गैंग का रूप धारण कर सकता है। बताते चलें कि राजस्थान से चलकर जीन्स पहनी युवतियों का एक बड़ा ग्रुप क्षेत्र में सक्रिय हो चुका है, जो राह चलते लोगों को रुकवा कर मदद के नाम पर कम से कम पचास रुपए से लेकर पांच सौ रूपए तक की वसूली कर रहा है। स्थानीय ग्रामीण अमित सेठ और उनके भाई प्रवीण सेठ जानू ने इस घटना का वीडियो बनाया। उन्होंने जब युवतियों से पैसा मांगने का कारण पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाई, इन

लोगों ने एक दैनिक पेपर के पत्रकार को यह सूचना दी,उन्होंने थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा को सूचना दी। मौके पर जब तक उप निरीक्षक राजेंद्र यादव पहुँचते युवतियां मौके से फरार हो गई वही प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सब युवतियां ऑटो मे सवार होकर वाराणसी की तरफ चली गई है। स्थानीय लोगों में चिंता है कि कहीं ये किसी बड़े गिरोह का हिस्सा तो नहीं है। अगर पुलिस प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में गैंग का बड़ा रूप धारण कर और भी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकती है।

डॉ.अंबर खान ने कठिन परिश्रम के बाद एमआरसीओजी की परीक्षा पास कर रचा इतिहास

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के पालिटेक्निक चौराहा स्थित जीएचके हास्पिटल की करता धरता डॉक्टर अम्बर खान ने मेडिकल की एक ऐसी परीक्षा जो अब तक जनपद में किसी ने पास नहीं की थी।उस परिक्षा, एमआरसीओजी, को कठिन परिश्रम के बाद पास कर के इतिहास रच दिया है। जिसकी परिजन समेत उनके शुभचिंतकों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा करने के साथ ही उन्हें सम्मानित करने के साथ विभिन्न माध्यम से बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है। डाक्टर अंबर खान ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन करने के साथ ही पारिवारिक जनों का सर फखर से ऊंचा कर दिया है। एमआरसीओजी, एक प्रतिष्ठित परीक्षा को पास करके जिले की भी प्रथम महिला चिकित्सक बन गई हैं। यह सफलता न केवल उनके लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

बता दें एमआरसीओजी का पूर्ण रूप है– मेंबर ऑफ रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गाइनेकोलॉजिस्ट्स, जो लंदन के रॉयल कॉलेज द्वारा आयोजित की जाती है। यह परीक्षा स्त्री एवं प्रसूति रोग

विशेषज्ञ बनने की दिशा में वैश्विक मान्यता प्राप्त सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। इसे तीन भागों में विभाजित किया गया है, और प्रत्येक चरण में उत्तीर्ण होना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। डॉक्टर अंबर खान की इस सफलता को मेडिकल जगत में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में हर्ष का माहौल है, बल्कि पूरे चिकित्सक समुदाय में भी खुशी का माहौल है।

परिजन समेत शुभचिंतकों में खुशी का माहौल

जौनपुर आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) और जिले के अन्य चिकित्सा संगठनों द्वारा डॉक्टर अंबर खान को सम्मानित किए जाने की तैयारियां जोऱों शोर से की जा रही हैं। उनके इस ऐतिहासिक कदम को पूरे जिले में एक प्रेरणादायक मिसाल के रूप में लोग। देख रहे है।

यहां पर यह बात भी चरितार्थ होती है कि अगर मन में लगन हो और मेहनत सच्चे दिल से की जाए तो कोई भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है ।यह भी साफ तौर पर कहना गलत नहीं होगा कि उनकी सफलता आने वाली पीढ़ियों विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी है। अब वे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्त्री एवं प्रसूति रोगों की विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा प्रदान करने में भी सक्षम होंगी। ज्ञातव्य हो कि डॉक्टर अंबर खान ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जौनपुर से प्राप्त करने के पश्चात एमबीबीएस चिकित्सकीय शिक्षा पूरी कर निरंतर मेहनत और लगन के बल पर इस अंतराष्ट्रीय परीक्षा में सफलता अर्जित कर परिजन का ही नहीं जिले का भी नाम रोशन किया है। चिकित्सकों में हो रही चर्चा के मुताबिक यहां पर एक बात बताना अति आवश्यक हो जाती है कि, मुहावरा है कि किसी भी कामयाब मर्द के पीछे औरत का हांथ होता है लेकिन डॉक्टर अंबर खान की सफलता के पीछे कहीं ना कहीं डॉक्टर अंबर खान के पति और जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर सैफ हुसैन खान का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

डॉ.विनोद कुमार सिंह को पीयू के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह को

शासकीय कार्यहित में विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह आदेश 19 जून से तात्कालिक प्रभाव से लागू किया गया है। इस संबंध में शासन से प्राप्त पत्र को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने डॉ. सिंह को औपचारिक रूप से सौंपते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

शादी समारोह में गए अधिवक्ता की बाइक हुई गायब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के पुराने पान दरीबा के रहने वाले अधिवक्ता प्रमोद मौर्य पुत्र जयन्त्री प्रसाद मौर्य अपने छोटे भाई के साले की शादी समारोह में यदुवंशी गेस्ट हाऊस मैरेज लान सिपाह रेल क्रासिंग के नजदीक होटल में आए थे। वहाँ से उनकी मोटर सायकिल प्लेटिना यूपी66 जेड 6705 जो बाहर खड़ी थी।बरात लगने के बाद खाना खा कर बाहर गए तो उनकी बाइक गायब थी।काफी तलाश किया लेकिन बाइक नहीं मिली तब अधिवक्ता ने लगभग 11.25 मिनट पर 112 डायल कर सूचना पुलिस को दी।

लालपुर पांडेयपुर तैनात सिपाहियों का सराहनीय कार्य

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रहने वाले स्कूटी सवार दो युवक शराब के नशे में पुलिस लाइन के तरफ से ओवर स्पीड से फ्लाईओवर पर चढ़े। फ्लाई ओवर के पहले मोड़ हिमांशु हॉस्पिटल के पास उनकी स्कूटी अनियंत्रित हो गई, स्कूटी अनियंत्रित होने से एक युवक फ्लाईओवर से नीचे गिर गया।जब इसकी सूचना थाना लालपुर पाण्डेयपुर पर तैनात रविन्द्र यादव व अजय यादव को मिली तो तत्काल तुलसी निकेतन स्कूल के इशू यादव किसी काम से जा रहे थे।तो उनके वाहन से फ्लाईओवर से नीचे गिरे लड़के को पं दीनदयाल अस्पताल ले जाया गया।डॉक्टर ने बीएचयू रेफर कर दिया। दूसरा युवक जिसके पिता पुलिस विभाग में उसे एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया जिसका इलाज जारी है।

हेमंत सांवरा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की मुलाकात

वसई रोड। पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सांवरा ने मंत्रालय में जाकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करके विक्रमगढ़ पालघर जिले का एक आदिवासी बहुल, सुदूर तालुका है और यहाँ बिजली सेवा बहुत अपर्याप्त है। बिजली आपूर्ति का पूरा बोझ केवल एक सबस्टेशन पर है और बार-बार ब्रेकडाउन होने के कारण पूरा तालुका अंधेरे में डूब जाता है। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर गंभीर असर पड़ रहा है। साथ ही, विक्रमगढ़ उपखंड में लगभग 37,526 उपभोक्ता हैं, और केवल एक शाखा काम कर रही है। ग्राहक सेवा में गतिशीलता लाने के लिए, 'अलोंडे शाखा कार्यालय' की स्थापना करना आवश्यक है। इससे वितरण क्षेत्र कम होगा, सेवा में सुधार होगा और राजस्व में वृद्धि होगी।

तकनीकी और प्रशासनिक उपायों की आवश्यकता है।

देवेंद्र फडणवीस को उपरोक्त दोनों मांगों को तुरंत स्वीकार करने और विक्रमगढ़ तालुका के लोगों को स्थिर और विश्वसनीय बिजली सेवा प्रदान करने के लिए एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया।

जौनपुर के लोहिया पार्क में योगाभ्यास का शुभारंभ

जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के योग सप्ताह के पंचम दिवस पर कुटीर चक्के महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर रमेशमणि त्रिपाठी और लोक गीत गायक रविन्द्र सिंह ज्योति द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके योगाभ्यास का शुभारंभ किया गया। उन लोगों ने संबोधन में बताया कि यहां से योग में प्रशिक्षित हो रहे योग शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह एक महाअभियान का स्वरूप देते हुए जन जन तक योग को पहुंचाकर लोगों को स्वस्थ और खुशहाल बनानें में अपनी महति भूमिकाएं निभाएं और इसके साथ ही बच्चों को बचपन से ही योग की संस्कारशाला में शामिल करें जिससे की स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण किया जा सके। पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति के दिशा-निर्देशन में विकास योगी, जगदीश यादव, अर्जुन सिंह, त्रियंबकम मिश्रा, अरविन्द कुमार, राजकुमार और कुलदीप योगी के द्वारा रोगानुसार व अवस्थानुसार योगाभ्यास को कराते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जा रहा है। हरीमूर्ति के द्वारा योग निद्रा और ध्यान का अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले लाभों को बताया गया। उपवास और उपासना का योग में महत्वपूर्ण योगदान है। आहार पूर्णतः सात्विकता से परिपूर्ण होंने पर ही उपासना के तहत ध्यान अपने चरमोत्कर्ष तक पहुंच सकता है। लम्बे समय तक आसन, ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास करनें पर शरीर में विशेष प्रकार के हार्मोन्स का क्रिएशन होना शुरू होता है जो व्यक्ति की रोग-प्रतिरोधक क्षमता के साथ उसकी ऊर्जा लेवल को बढ़ाता है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति की कर्मेंद्रियां और ज्ञानेन्द्रिया समेकित होकर एक सकारात्मक दिशा में सक्रिय हो जाती हैं और व्यक्ति की चित और चेतना उच्चतम स्तर पर पहुंच जाता है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डॉ कमल के द्वारा जनपद के सभी संभव दिशाओं योगाभ्यास को फैलाने के लिए संकल्पित किया गया। इस मौके पर भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी शशिभूषण यादव , भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सत्येन्द्र अग्रहरि, शरद कुमार, दीपक श्रीवास्तव, आयुष विभाग के विशेष चिकित्सक डा विमल कुमार, डा सुजीत श्रीवास्तव, डा स्तुति साहनी, डा अनिल सिंह के साथ योग प्रशिक्षक कुलदीप योगी, डा हेमंत कुमार, अर्जुन सिंह, मनोज कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह, इंद्रभान मौर्य, प्रियंका राजपूत, विकास यादव, त्रियंबकम मिश्रा, क्षमा सिंह, रजनी साहू, क्षमा सिंह, सुप्रिया, रजनी साहू, अनीता, प्रभात कुमार, साधना मौर्य, विरेन्द्र यादव, राजन सिंह, सुप्रिया, एसके यादव, नन्दलाल और बीरा यादव सहित अनेकों लोगों की उपस्थिति रही।

डिजिटल समावेशन में भारत अग्रणी, लेकिन दूरसंचार विकास के लिए वहनीयता अगली चुनौती

मुंबई। एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में अब भी करोड़ों संभावित ग्राहक ऑफलाइन हैं। यह उनकी इच्छा से नहीं, बल्कि मजबूरी से है, क्योंकि दूरसंचार कंपनियां इस वर्ग को नजरअंदाज कर रही हैं–और इसी में एक बड़ा विकास का अवसर छिपा है। भारत, वियतनाम और फिलीपींस में अभी भी 60 करोड़ से अधिक लोग किफायती इंटरनेट से वंचित हैं। क्लाउडमोसा, एक अग्रणी क्लाउड और मोबाइल तकनीकी कंपनी, ने आज अपनी पहली बी-गैप बैरोमीटर रिपोर्ट जारी की, जिसमें ऐसे क्षेत्रों में ऑफलाइन रहने वाले लोगों की चुनौतियों और संभावित समाधानों के प्रति दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है।

यह रिपोर्ट भारत, वियतनाम और फिलीपींस जैसे डिजिटल रूप से प्रगति कर रहे देशों के वरिष्ठ टेलीकॉम अधिकारीयो की अंतर्दृष्टियों पर आधारित है।

क्लाउडमोसा के सीईओ और संस्थापक शिउपिन शेन ने कहा कि भारत के पास अगली समावेशन लहर का नेतृत्व करने की डिजिटल सोच और बुनियादी ढांचा, दोनों मौजूद है। कमी केवल किफायती पहुँच की है। लाखों लोग अभी भी ऑफलाइन हैं या 2G पर सीमित हैं, क्लाउड फोन एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है, यह टेलीकॉम कंपनियों को बी-गैप को कम करते हुए विकास और लाभप्रदता के नए अवसर खोलने में मदद करता है। हमारा उद्देश्य मोबाइल इकोसिस्टम को यह दिखाना हैं कि समाजहित में काम करना और वंचितों को डिजिटल दुनिया से जोड़ना लाभकारी भी हो सकता है। टेलीकॉम कंपनियां ऐसे समाधान देकर भी व्यावसायिक सफलता पा सकती हैं जो आम लोगों की जरूरतों के अनुकूल हों।

जेन्स लाइफ होस्ट्स बुक रीडिंग रीडिंग विद अभिनेता नंदिता दास और भवाना सोमया मुंबई में

मुंबई। भारत के 60 समुदाय के जीवन को समर्पित करने के लिए समर्पित, मुंबई में प्रशंसित लेखक और सेलिब्रिटी पत्रकार भवाना सोमया के साथ एक विशेष पुस्तक पढ़ने के सत्र की मेजबानी करने पर गर्व है। इस कार्यक्रम में प्रशंसित अभिनेता और निर्देशक नंदिता दास द्वारा उनकी नवीनतम पुस्तक, ₹फेयरवेल कराचीः एक विभाजन संस्मरण₹ का अनावरण होगा। यह 22 जून को शाम 4:30 बजे Mcubed Library, D'Onte Park Road, Bandra Wes में होगा, और इसे प्रसिद्ध मीडिया व्यक्तित्व तराना राजा द्वारा संचालित किया जाएगा।

यह सत्र सोमया के नवीनतम काम, ₹फेयरवेल कराचीः ए विभाजन संस्मरण₹ को उजागर करेगा - एक गहरी व्यक्तिगत कथा जो 1947 के विभाजन के दौरान विस्थापित एक गुजराती परिवार की यात्रा का पता लगाता है। पुस्तक में पांच पीढ़ियों तक फैली हुई है, जो कराची, कच और बॉम्बे में अपने जीवन को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर एक परिवार के भावनात्मक और शारीरिक अव्यवस्था पर कब्जा कर लेती है। पुस्तक की उत्पत्ति पर प्रतिबिंबित, भवाना सोमया साझा, यह संस्मरण एक ऐसे सवाल से पैदा हुआ था, जिसने मुझे गार्ड से पकड़ लिया था - मेरे सबसे बड़े डर के बारे में। विदाई कराची को लिखना उस भय का एहसास करने का एक तरीका बन गया, आघात और चुप्पी का सामना करने के लिए पीढ़ियों से गुजरना। गेन्स लाइफ के संस्थापक मीनाक्षी मेनन ने कहा, ₹गेंस लाइफ में, हम साझा कहानियों, उपचार और अंतर -संवाद के लिए रिक्त स्थान बनाने में विश्वास करते हैं। 'विदाई कराची' केवल एक संस्मरण नहीं है - यह एक लचीलापन, जड़ों और समुदाय की शक्ति की याद दिलाता है।

संकल्प से सिद्धिः नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल पर स्नेहा दुबे ने की चर्चा

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल द्वारा वसई पश्चिम के संघवी हॉल में अवनत भारत का अमृत कालः के अंतर्गत आयोजित कार्यसभा का आज समापन हुआ। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों के प्रभावी कार्यकाल के दौरान भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय और प्रेरणादायक कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यसभा में विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प और सिद्धि के बीच के सफर पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा देश के विकास के लिए किए गए समर्पित प्रयासों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, तथा अन्य प्रमुख पदाधिकारी जैसे कि शेखर धुरी, कंचन झा, प्रदेश सचिव महिला मोर्चा अपर्णा पाटिल, दीपक शर्मा, अर्जुन इंगोल, चेतन पागी, मैथ्यू कोलासो सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यसभा में सभी ने एकजुट होकर आने वाले समय में भी प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देश के उज्जवल भविष्य के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड के संबंध में बैठक में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के संबंध में बैठक में संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया को निर्देशित किया गया कि पीएम सूर्यघर योजना में अपेक्षित प्रगति न होने पर जनपद की रैंकिंग खराब आ रही है। जिसके लिए सम्बन्धित कार्यदाई संस्था और विद्युत विभाग के मध्य समन्वय कराते हुए इस योजना में प्रगति लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन विभागों में 3 महीने से लगातार अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है।उनके विभागाध्यक्ष के प्रति यथोचित कार्यवाही की जाए। फैमिली आईडी बनाए जाने और टूल किट वितरण में प्रगति खराब होने पर नाराजगी व्यक्त की और शीघ्र अति शीघ्र अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जनपद में जो भी परियोजनाएं पूर्ण हो गई है।

उन्हें पोर्टल पर फीड कराने के निर्देश जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ0 अरुण कुमार यादव को दिए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की खराब रैंक आई है उनमें कारणों को चिन्हित करने, तथा समाधान करते हुए रैंकिंग में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा नियमित रूप से सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा की जाती है। समस्त विभाग यह सुनिश्चित करे किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग में गिरावट नहीं आनी चाहिए।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने 21 जून को योग दिवस के कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ ही कार्य योजना बनाकर ससमय तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री द्वारा योग दिवस पर सभी से योग करने का आह्वान किया गया है।

पूर्व की भांति इस वर्ष भी योग दिवस की तैयारी को समय से पूर्ण कर ले। सभी अधिकारी, कर्मचारी योग को अपने जीवन शैली में शामिल करें तथा योग दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अवश्य प्रतिभाग करें, योगा को लेकर अन्य लोगों को जागरुक भी करें।

योग न केवल हमारे तन अपितु मन को भी स्वस्थ रखता है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी,उपायुक्त मनरेगा, उपायुक्त एनआरएलएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीजे पर डांस को लेकर बारातियों में मारपीट, युवाओं को पुलिस ने दबोचा

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मानीकला गांव में बुधवार की देर शाम द्वार पूजा के समय डीजे पर डांस करने को लेकर बारातियों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा की बराती आपस में ही मारपीट करने लगे। बारातियों द्वारा आपस में मारपीट से शादी के कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। मारपीट के दौरान कई बाराती चुटहिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला सुलझाना चाहा तो नशे में धुत कुछ बराती उपद्रव मचाने लगे। पुलिस तीन लोगों को पकड़ कर थाने ले आई और गुरुवार को शांतिभंग में चालान कर दी।

पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव और डिप्टी एसपी शाहगंज अजीत कुमार चौहान के निर्देशन में खेतासराय थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में टीम ने यह सफलता हासिल की।

थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि बुधवार रात मानीकला गाँव मे आई बारात में कुछ युवकों द्वारा डीजे पर डांस करने को लेकर मारपीट की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मारपीट कर रहे तीन युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। गुरुवार को पुलिस ने नितेश कुमार उर्फ दिनेश पुत्र मटरू व गोलू उर्फ रोशन पुत्र आलोक कुमार और राहुल पुत्र शैलेन्द्र निवासी राजेपुर थाना सरायख्वाजा का शांतिभंग में चालान कर न्यायालय में पेश कर दिया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक विद्यासागर सिंह, कांस्टेबल अंकुश सिंह, अमरजीत कुमार समेत अन्य रहे।

मोदी सरकार के सफल 11 वषः संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम का वसई में भव्य आयोजन

वसई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्षों की सफल यात्रा का उत्सव आज वसई पश्चिम मंडल द्वारा क्षितिज रिसोर्ट, नवापुर में भव्य रूप से मनाया गया। ह्यसंकल्प से सिद्धि तक की भावना से प्रेरित यह कार्यक्रम भाजपा द्वारा #Modi@11 थीम के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे, माजी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटील, मंडल अध्यक्ष आशीष जोशी, रामदास मेहर, कपिल म्हात्रे, मुकुंद मुलये, एवं भाजपा वसई विरार महिला मोर्चा की माननीय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पिछले 11 वर्षों में भारत सरकार ने करोड़ों वंचित परिवारों तक विकास की धारा पहुंचाई है। इनमें शुद्ध नल का पानी, हर घर बिजली, स्वच्छ शौचालय, पक्के आवास, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, बीमा और डिजिटल सेवाओं जैसे मूलभूत सुविधाएं शामिल हैं। यह 100 प्रतिशत समृद्धि आधारित मॉडल देश के हर कोने में लागू किया गया है। महेंद्र पाटील ने कहा, यह सरकार सिर्फ वादे नहीं, परिणाम देने वाली सरकार है। 11 वर्षों में सरकार ने ईमानदारी, पारदर्शिता, गतिशीलता और निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत अमृतकाल की ओर अग्रसर है। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि भाजपा सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना है — यह सिर्फ नीति नहीं, बल्कि जनसेवा का यज्ञ है।

कोटक सिक्योरिटीज ने लॉन्च किया कोटक स्टॉकशाला

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत की प्रमुख ब्रोकरेज कंपनियों में शामिल कोटक सिक्योरिटीज ने कोटक स्टॉकशाला लॉन्च किया है। यह एक फ्री बहुभाषी (मल्टीलिंगुअल) लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जो देशभर के निवेशकों और ट्रेडर्स को कैपिटल मार्केट के बारे में शिक्षित करता है। यह प्लेटफॉर्म कोटक नियो ऐप पर भी उपलब्ध है और दो तरीकों से लर्निंग की सुविधा देता है। वीडियो-आधारित कोर्सः इसमें तीन कोर्स हैं, जिनमें छोटे-छोटे वीडियो चैप्टर दिए गए हैं। इनमें शेयर बाजार की शुरूआती और एडवांस्ड, दोनों तरह की बातें सिखाई जाएंगी। ये वीडियो अभी हिंग्लिश (हिंदी और अंग्रेजी का मिलाजुला रूप) में हैं और जल्द ही अंग्रेजी में भी लॉन्च किए जाएंगे। टेक्स्ट-आधारित कोर्सः इसमें 5 विस्तृत कोर्स हैं, जो 200 से अधिक सरल और समझने में आसान चैप्टर में विभाजित हैं। ये कोर्स इंग्लिश और हिंदी में उपलब्ध हैं। जल्द ही अन्य क्षेत्रीय भाषाएं भी जोड़ी जाएंगी। कोटक स्टॉकशाला के लॉन्च पर कोटक सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ श्रीपाल शाह ने कहा कि कोटक सिक्योरिटीज में, हमारा मानना है कि अगर आप आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहते हैं, तो उसकी शुरूआत जानकारी से होती है। कोटक स्टॉकशाला, हमारा नया लर्निंग प्लेटफॉर्म है जो फ्री, व्यापक वीडियो और टेक्स्ट आधारित सामग्री प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य साल के अंत तक इस प्लेटफॉर्म में 10 कोर्स जोड़ने का है। कोटक सिक्योरिटीज के प्रेसिडेंट और चीफ डिजिटल बिजनेस ऑफिसर, आशीष नंदा का कहना है कि आज के बदलते फाइनेंशियल मार्केट में, लगातार सीखते रहना सिर्फ एक फायदा नहीं है, बल्कि यह एक जरूरत है। हमारा नया प्लेटफॉर्म नए लोगों और अनुभवी ट्रेडर्स दोनों की मदद के लिए बनाया गया है। नए सीखने वालों के लिए, हम आसान और व्यवस्थित सामग्री देते हैं ताकि वे एक मजबूत नींव बना सकें।

करे योग, रहे निरोग का मंत्र देकर आयुष मंत्री ने नमो घाट से दिया स्वास्थ्य का संदेश

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा की जीवंत धारा है। उन्होंने करे योग, रहे निरोग₹ का मंत्र देते हुए लोगों से दैनिक योगाभ्यास को जीवनचर्या में अपनाने की अपील की।

गुरुवार की सुबह नमो घाट पर 11वें अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के पांचवें दिन आयोजित विशेष योग कार्यक्रम में मंत्री दयालु ने एनडीआरएफ के जवानों एवं करीब 250 स्थानीय लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस वर्ष के थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के अनुरूप उन्होंने कहा कि यह अभियान वैश्विक स्वास्थ्य व सामूहिक चेतना की दिशा में एक मजबूत कदम है। भारत योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में पहले से ही विश्वगुरु रहा है, अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

कार्यक्रम में योगाचार्य अभय स्वाभिमानी और योगाचार्य विनोद गुप्ता ने उपस्थित लोगों को योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया और उसके शारीरिक-मानसिक लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री के पीआरओ गौरव राठी, एनडीआरएफ अधिकारी अखिलेश तिवारी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी पंकज, अनिल कुमार शर्मा, प्रतिभा आनंद और नगर निगम के पार्षद जितेंद्र कुशवाहा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने जरूरतमंद विद्यार्थियों की स्कूल फीस के लिए प्रदान किया चेक

गोरेगांव, मुंबई। विवेक एलुमनी एसोसिएशन के तत्वाधान में जरूरमंद विद्यार्थियों के स्कूल की फीस के लिए चेक प्रदान करने हेतु चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया . स्वामी अय्यप्पा देवस्थान ,बांगुर नगर, गोरेगांव में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी उपस्थित रहे।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने अपने हाथों कुल 90 विद्यार्थियों में चेक वितरित किया तथा वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया. इस आयोजन की सफलता के लिए जयश्री उन्नी और शिशिर शेट्टी सहित अनेक उत्साही नागरिकों का योगदान उल्लेखनीय है।

नदी में नहाने गए दो किशोर पानी में लापता

बस्ती (उत्तरशक्ति)। लालगंज थानाक्षेत्र के महसों बाजार से दक्षिण-पश्चिम स्थित निबवां घाट पर नहाने गए पांच किशोर डूबने लगे।

उनमें से तीन किसी तरह बाहर निकल आए मगर दो लापता हो गए। घंटों बाद इन दोनों का शव नदी में तैरता मिला। लापता किशोरों में एक अपने ननिहाल आया था। सूचना मिलते ही एसडीएम सदर, सीओ सिटी, सीओ रुधौली पहुंचे। काफी देर तक गोताखोर की तलाश की जाती रही थी। बाद में स्थानीय तैराकों की मदद से खोजबीन शुरू की गई। जानकारी के अनुसार महसों पश्चिम टोला के कुछ बच्चे कस्बे के दक्षिण-पश्चिम करीब दो किलोमीटर दूर कुआनों नदी के निबवां घाट पर बृहस्पतिवार दोपहर 1:00 बजे स्नान करने गए थे। उनमें दुबौलिया थानाक्षेत्र के लक्ष्मणपुर निवासी 16 वर्षीय अमित, महसों पश्चिम टोला निवासी 14 वर्षीय प्रिंस पुत्र नरेंन्द्र के अलावा तीन अन्य बच्चे भी शामिल थे।

अचानक अमित और प्रिंस पानी में डूबने लगे। दोनों को डूबता देख साथ में आए अन्य तीनों बच्चे भाग कर सड़क पर गए और राहगीरों को घटना की सूचना दी। कुछ ही देर में कोहराम मच गया। प्रिंस के पिता ड्राइवर हैं, वह अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

कानपुर(उत्तरशक्ति)। रावतपुर थानाक्षेत्र में मसवानपुर केसा के सामने मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। हादसे में घायल महिला की बुधवार दोपहर हेड इंजरी के कारण मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग निकला।

पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। मसवानपुर निवासी अमित सिन्हा की पत्नी साधना श्रीवास्तव (50) मंगलवार दोपहर दवा लेने स्कूटी से मसवानपुर स्थित मेडिकल स्टोर जा रही थीं। केसा के आगे पीछे से आ रही तेज रफ्तार काली रंग की कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। साधना स्कूटी समेत सड़क पर गिर गईं और सिर में गंभीर चोट लगी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हेलमेट चकनाचूर हो गया। वहीं, चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आसपास के लोगों ने परिजनों को हादसे की सूचना देकर साधना को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को उनकी मौत हो गई। रावतपुर थाना प्रभारी केके मिश्रा के अनुसार बेटी मीनाक्षी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर चालक का पता लगाया जा रहा है।